



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 555]

नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 12, 2018/माघ 23, 1939

No. 555]

NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 12, 2018/MAGHA 23, 1939

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 फरवरी, 2018

**का. आ. 634(अ).**—जबकि, केन्द्रीय सरकार ने, राष्ट्रीय अन्वेषण अधिनियम, 2008 (2008 का 34) (जिसे इसके बाद उक्त अधिनियम के रूप में संदर्भित किया गया है) की धारा 11 की उप-धारा (1) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खण्ड-3, उप-खण्ड (ii) में प्रकाशित दिनांक 29 अप्रैल, 2011 की अधिसूचना संख्या का. आ. 951 (अ) के तहत वरिष्ठतम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश का न्यायालय, सिलीगुड़ी को उक्त अधिनियम की धारा 11 की उप-धारा (1) के प्रयोजनों के लिए विशेष न्यायालय के रूप में अधिसूचित किया था, जिसका अधिकार क्षेत्र अनुसूचित अपराधों के मुकदमे के लिए पश्चिम बंगाल राज्य के दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी तथा कूच बिहार जिलों की सीमा के अंदर था;

और जबकि, श्री शांतनु झा, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, द्वितीय न्यायालय, सिलीगुड़ी, दार्जिलिंग जिन्हें भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II खण्ड-3, उप-खण्ड (ii) में प्रकाशित दिनांक 16 मई, 2017 की अधिसूचना सं. का.आ. 1576 (अ) के तहत उक्त विशेष न्यायालय की अध्यक्षता करने हेतु न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था, का उक्त न्यायालय से स्थानांतरण हो गया है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, राष्ट्रीय अन्वेषण अधिनियम, 2008 (2008 का 34) की धारा-11 की उप-धारा (3) के अंतर्गत प्रदत्त की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा दिनांक 16 मई, 2017 की अधिसूचना संख्या का. आ. 1576 (अ) का अधिक्रमण करते हुए, सिवाय उन कार्यों के जिन्हें ऐसे अधिक्रमण के पूर्व सम्पादित कर लिया गया था अथवा करने से लोप कर दिया गया था, कोलकाता उच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधीश की सिफारिश पर श्री देव प्रसाद नाथ, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम कोर्ट, सिलीगुड़ी, दार्जिलिंग को एत द्वारा, उक्त विशेष न्यायालय की अध्यक्षता करने के लिए न्यायाधीश के तौर पर नियुक्त करती है।

[फा. सं. 17011/50/2009-आईएस-IV(भाग-I)खण्ड-II]

सुधीर कुमार सक्सेना, संयुक्त सचिव

**MINISTRY OF HOME AFFAIRS****NOTIFICATION**

New Delhi, the 12<sup>th</sup> February, 2018

**S.O. 634(E).**—Whereas, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the National Investigation Act, 2008 (34 of 2008) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government had, *vide* notification number S.O. 951 (E) dated the 29<sup>th</sup> April, 2011, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part-II, Section 3, Sub-section (ii), notified the Court of the Seniormost Additional District and Sessions Judge at Siliguri, as the Special Court for the purposes of sub-section (1) of section 11 of the said Act having jurisdiction within the Districts of Darjeeling, Jalpaiguri and Cooch Bihar of the State of West Bengal for the trial of Scheduled Offences;

And whereas, Shri Santanu Jha, Additional District and Sessions Judge, 2<sup>nd</sup> Court, Siliguri, Darjeeling, who was appointed as the Judge to preside over the said Special Court *vide* notification number S.O. 1576 (E) dated the 16<sup>th</sup> May, 2017, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part-II, Section 3, Sub-section (ii), has been transferred from the said Court;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 11 of the National Investigation Act, 2008 (34 of 2008) and in supersession of the notification number S.O. 1576 (E), dated the 16<sup>th</sup> May, 2017, except in respect of things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government, on the recommendation of the Hon'ble Chief Justice, High Court, Calcutta, hereby appoints Shri Debaprasad Nath, Additional District and Sessions Judge, 1<sup>st</sup> Court, Siliguri, Darjeeling, as the Judge to preside over the said Special Court.

[F.No. 17011/50/2009/IS-IV (Part-I) (Vol.-II)]

SUDHIR KUMAR SAXENA, Jt. Secy.